



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, गतिमार, फरवरी 8, 1997 (माघ 19, 1918)
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 8, 1997 (MAGHA 19, 1918)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालयों द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, प्रावेशों तथा संकेतों से संबंधित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 173	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक प्रावेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्से प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होने हैं)	पृष्ठ 8
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों प्रावि के संबंध में अधिसूचनाएं	109	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और प्रावेश	
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक प्रावेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	1	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निर्यन्त्र और महालेखा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	87
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों प्रावि के संबंध में अधिसूचनाएं	181	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और विचारों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	181
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम		भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन प्रववा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खण्ड 1—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ		भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, प्रादेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं।	457
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्टें		भाग IV—निर-सरकारी व्यक्तियों और निर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	21
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के प्रावेश और उप-विधियां प्रावि भी शामिल हैं)		भाग V—प्रदेशी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के प्रमाणों को दर्शाने वाला प्रमाणपत्र	
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक प्रावेश और अधिसूचनाएं			

*शेड्यूल प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	173	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	109	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	87
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	181	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	191
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	•	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi language of Acts, Ordinances and Regulations	•	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	457
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	•	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	21
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	•	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)			

भाग 1-खण्ड 1

[PART I-SECTION 1]

(यह अध्यादेश को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

कर्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1997

सं. 10/6/96 के. से. (2)—कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 1997 में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-ग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-ग, भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग के ग्रेड-ग, सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-ग, रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' और अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (रेल मंत्रालय) आशुलिपिक सेवा के ग्रेड 'ग' के लिए प्रदत्त सूचियों में सम्मिलित करने के लिए श्रेणीगत विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. चयन सूची में शामिल करने के लिये चयन किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या का निर्धारण बाव में किया जायेगा जैसा कि आयोग द्वारा जारी की जाने वाली विज्ञापित के पैरा 2 में बताया गया है अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित अभ्यर्थियों के लिये आरक्षण मंगकर्ता संवर्ग/कार्यालयों द्वारा आयोग को भेजी गई रिक्ति का ध्यान में रखकर किया जाएगा।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का अर्थ है ऐसी कोई जाति/जनजाति जिन्हें संविधान के अनुच्छेद 341/342 के तहत समय-समय पर जारी आवेशों में विनिर्दिष्ट किया गया हो।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारित पद्धति के अनुसार ही ली जाएगी।

रिक्त स्थानों के और किन्हीं-किन्हीं स्थानों पर परीक्षा की जाएगी, इसका निर्धारण आयोग करेगा।

4. पदों की शर्तें :—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (रेल मंत्रालय) आशु-

लिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' या श्रेणी-3 का नियमित रूप से नियुक्त कोई भी ऐसा स्थायी अथवा अस्थायी अधिकारी जो रिक्तियों से पूर्ण करवा हो, परीक्षा में बैठने और अपने सेवा की रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता करने का पात्र होगा अर्थात् केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ के आशुलिपिक उस सेवा के ग्रेड-ग की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे, केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ के आशुलिपिक उस सेवा के ग्रेड-ग की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे और भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-3 के आशुलिपिक भारतीय विदेश सेवा (ख) के (आशुलिपिकों) के संवर्ग के ग्रेड-2 की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे तथा सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ के आशुलिपिक सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-ग और रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे और अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (रेल मंत्रालय) आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'घ' के आशुलिपिक अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे।

(क) सेवा की अवधि-सेवा के ग्रेड-घ या ग्रेड-3 में नियुक्त कर्मचारी 1-1-97 को उसकी कम से कम तीन वर्ष की अनुभवीता और निरंतर सेवा होनी चाहिए।

टिप्पणी : ग्रेड-घ के वे अधिकारी जो सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाल्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हों, और जिनका केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ या ग्रेड-3 में धारणाधिकारी है, यदि अनुभवीता पात्र हो तो इस परीक्षा में बैठ सकते हैं।

परन्तु यदि वह केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'घ'/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा के श्रेणी 'घ'/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'घ'/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिक संवर्ग की श्रेणी-3/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी

“घ”/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा की श्रेणी “घ” में प्रतिशोभात्मक परीक्षा जिसमें सीमित बिभागीय प्रतिशोभात्मक परीक्षा भी शामिल है, के परिणाम पर नियुक्त किया जाता है। तो ऐसी परीक्षा के परिणाम निर्णायक तारीख से कम से कम तीन वर्ष पहले घोषित हुए होने चाहिए और उस श्रेणी में उनकी कम से कम दो वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा होनी चाहिए।

(ख) आयु :—उसकी आयु 1-1-97 को 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् वह 2-1-1947 से पहले पैदा नहीं हुआ हो।

(ग) उपर लिखित आयु सीमा में निम्नलिखित और छूट होगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो, तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- (2) किसी दूसरे देश में संघर्ष के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियों को करने समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा सेवा कार्मिकों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आठ वर्ष)।
- (3) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाहियों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा दल के कार्मिकों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आठ वर्ष)।

उपर्युक्त बातों के अलावा उपर निर्धारित आयु सीमा में और किसी हालत में छूट नहीं दी जाएगी।

(घ) आशुलिपिक परीक्षा :—जब तक कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संघर्ष/सहस्र संना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-3 में स्थायीकरण या बने रहने के प्रयोजन के लिए आयोग की आशुलिपिक परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट न मिल गई हो, उसने परीक्षा की अधिसूचना की तारीख को या उससे पूर्व व परीक्षा उत्तीर्ण कर ली होनी चाहिए।

टिप्पणी : ग्रेड-घ या ग्रेड-3 के जो आशुलिपिक सक्षम अधिकारी के अनुमोदन के संघर्ष बाह्य-पदों पर प्रति नियुक्ति पर हैं और जिनका इस सेवा के ग्रेड-घ और ग्रेड-3 में धारणाधिकार है यदि अन्यथा पात्र हों वे परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के पात्र होंगे तथा यह बात ग्रेड-घ/ग्रेड-3 में उन आशुलिपिकों पर लागू नहीं होती जो स्थानांतरित रूप में संघर्ष बाह्य-पदों पर या अन्य सेवा में नियुक्त किए

गए हों और केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिक के संघर्ष/सहस्र संना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ/ग्रेड-3 में धारणाधिकार न रखते हों।

5. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

6. यदि किसी उम्मीदवार के पास आयोग का प्रवेश-पत्र (सर्टीफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा तो उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

7. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा अपराधी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदलकर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जानी प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे दस्तावेज दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुसूचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (8) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा।
- (9) अराग्त सामग्री लिखना जिसमें पांडुलिपि में अश्लील भाषा या अश्लील सामग्री भी शामिल है, अथवा
- (10) आयोग द्वारा परीक्षा के संचालन के लिए नियुक्त स्टाफ को तंग किया है अथवा धारीरिक चोट पहुंचाई है, अथवा
- (11) अपने प्रवेश पत्र को साथ जारी किए गए किसी अनुदेश का उल्लंघन किया है, अथवा
- (12) उसके द्वारा परीक्षा भवन से उत्तर-पुस्तिका/आशुलिपिक टिप्पणी टंकण आलेख का ले जाया जाना है।
- (13) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अप्रसन्न करने के लिए

प्रयत्न किया है, तो उस पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है, जो उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए ।

(2) केन्द्रीय सरकार के अधीन किसी भी नौकरी से वारिस्त किया जा सकता है, और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्य-वाही की जा सकती है ।

8. परीक्षा के पश्चात् प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त अंकों के आधार पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता क्रम से छः अलग सूचियाँ बनाई जाएंगी और उसी क्रम के अनुसार आयोग उस परीक्षा से जितने उम्मीदवारों का सफलता प्राप्त समझेगा, उनके नाम अपेक्षित संख्या तक केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा, केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग और सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा और रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-ग की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए सिफारिश करेगा ।

परन्तु अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड के सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा में रिक्तियों की संख्या तक समान मानक के आधार पर रिक्तियों न भरी जा सकें तो आयोग द्वारा अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के आरक्षित कोटों में कमी को पूरा करने के लिए मानक में छील देकर सिफारिश की जा सकती है चह परीक्षा की योग्यता सूची में उनका कोई रैंक क्यों न हो, बशर्ते कि उम्मीदवार केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-ग की चयन सूची में शामिल करने के लिए योग्य हों ।

टिप्पणी : उम्मीदवार का अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अर्हक परीक्षा (क्वालीफाइंग एग्जामिनेशन) इस परीक्षा के परिणाम

के आधार पर केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग के ग्रेड-ग/ग्रेड-2 सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-ग की प्रवर्णन सूची में कितने उम्मीदवारों के नाम शामिल किए जाएं इसका निर्णय करने के लिए सरकार पूरी तरह सक्षम है । इसलिए कोई भी उम्मीदवार अधिकारी के तौर पर इस बात का कोई दावा नहीं कर सकता कि उसके द्वारा परीक्षा में किए गए निष्पादन के आधार पर उसका नाम प्रवर्णन सूची में शामिल किया ही जाए ।

9. हर एक उम्मीदवार के परीक्षाफल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार से दी जाए, इसका निर्णय आयोग अपने विधिकानुसार करेगा और आयोग परिणामों के बारे में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा ।

10. परीक्षा में सफलता से चयन का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक कि संवर्ग प्राधिकारी एंगी छानबीन के बाद जो आवश्यक समझी जाए, संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सेवा के अपने करियर के विचार से चयन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त है ।

11. जो उम्मीदवार इस परीक्षा के बैठने के लिए आवेदन-पत्र देने के बाद या परीक्षा में बैठ जाने के बाद केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय, आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के अपने पद से त्याग-पत्र दे देगा अथवा अन्य किसी प्रकार से उस सेवा को छोड़ देगा या उससे अपना संबंध विच्छेद कर लेगा या जिसकी सेवाएं उसके दिग्भाग द्वारा समाप्त कर दी गई हों या किसी निःसंवर्गीय पद या दूसरी सेवा में स्थानांतरण द्वारा नियुक्त किया जा चुका हो और केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ/केन्द्रीय सतर्कता आयोग आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ/भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के संवर्ग के ग्रेड-3 या सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-घ में धारणाधिकारी न हो, वह इस परीक्षा में परिणाम के आधार पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा । तथापि, वह ग्रेड-घ/ग्रेड-3 के उन आशुलिपिकों पर लागू नहीं होगा, जो सक्षम प्राधिकारों के अनुमोदन से किसी निःसंवर्गीय पद पर प्रतिनियुक्ति के रूप में नियुक्त किया जा सका हो ।

हा. सि. धीमान
अवर सचिव

परिशिष्ट

लिखित परीक्षा के विषय तथा प्रत्येक के लिए दिया गया समय तथा पूर्णक इस प्रकार होंगे :—

भाग-क लिखित परीक्षा

विषय	अधिकतम अंक	समय
प्रश्न-पत्र चार विधों में		
(क) सामान्य जानकारी	200	2 घंटे
100 प्रश्न		
(ख) अंग्रेजी भाषा का परि- चय तथा लेखन योग्यता 100 प्रश्न		

टिप्पणी : सामान्य जानकारी से संबंधित प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पूछे जायेंगे।

भाग-क हिन्दी या अंग्रेजी आखिलिक परीक्षा
(लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वालों के लिए)
200 अंक

टिप्पणी : उम्मीदवारों को अपने आखिलिक नोट दफन मशीन से लिप्यंतरित करने होंगे और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपनी मशीन लानी होगी।

भाग-ग ऐसे उम्मीदवारों के सेवा अभिलेखों का मूल्यांकन जो आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार निर्धारित किए जायेंगे अधिकतम 100 अंक

2. लिखित परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण तथा आखिलिक परीक्षाओं की योजना उस परिशिष्ट की संलग्न अनुसूची में दिए गए विवरण के अनुसार होगी।

3. लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को अंग्रेजी अथवा हिन्दी की आखिलिक परीक्षा देने होगी जो अधिकतम 200 अंक की होगी।

टिप्पणी 1 : उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र के कालम 6 में आखिलिक परीक्षा देने के लिए अपना माध्यम अवसर लिखना चाहिए। एक बार चुना गया विकल्प अग्रिम सूचना के बिना तथा उक्त कालम में परिवर्तन के बिना करने से समान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि किसी उम्मीदवार द्वारा विकल्प देने का अनिश्चित कालम खाली छोड़ा जाता है तो आखिलिक परीक्षण के लिए उसका माध्यम अंग्रेजी समझा जाएगा।

टिप्पणी 2 : ऐसे उम्मीदवारों को अपनी निम्नलिखित के साथ जो आखिलिक की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेंगे, अंग्रेजी आखिलिक और जो आखिलिक की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें हिन्दी आखिलिक आवश्यक रूप में सीखनी पड़ेगी।

टिप्पणी 3 : उम्मीदवार ने जिस भाषा का विकल्प दिया है उसके अलावा अन्य किसी भाषा में आखिलिक की परीक्षा देने पर कोई मात्यता नहीं दी जाएगी।

4. जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्टेशन में न्यूनतम योग्यता प्राप्त कर लेंगे वे 100 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्टेशन में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों के कम में ऊपर होंगे। प्रत्येक वर्ग में उम्मीदवारों को दिए गए कुल अंकों के अनुसार पारस्परिक प्रवृत्ता अनुसार रखा जाएगा। (निम्नलिखित अनुसूची का भाग (ख) देखें)।

5. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा में किसी या सभी विषयों में अर्हक (क्यालीफाइंग) अंक निर्धारित करेगा।

7. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आखिलिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा जो आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे।

अनुसूची

लिखित परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम विवरण

(भाग-क)

टिप्पणी : भाग 'क' के प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की 'मैट्रिकुलेशन' परीक्षा का होता है।

प्रश्न पत्र-1 (क) सामान्य जानकारी-प्रश्न उम्मीदवार को अक्सर के पर्यावरण के प्रति उसकी सामान्य जानकारी तथा समाज के प्रति उनके अनुप्रयोग के संबंध में उम्मीदवार की योग्यता की जांच करने के लिए पूछे जायेंगे। सामाजिक घटनाओं और विन-प्रतिविन पर्यवेक्षण के ऐसे मामलों और उनके वैज्ञानिक पहलुओं के संबंध में भी ज्ञान की जांच करने के लिए प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनकी जानकारी की अपेक्षा एक शिक्षित व्यक्ति से की जाती है। इस परीक्षा में भारत और उसके पड़ोसी देशों के संबंध में विशेषकर इतिहास, संस्कृति, भूगोल, आर्थिक स्थिति, सामान्य राज्य व्यवस्था तथा वैज्ञानिक अनुसंधान से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

(ख) अंग्रेजी भाषा का परिचय तथा लेखन योग्यता—इस परीक्षा में अंग्रेजी भाषा शब्दावली, वर्तनी, व्याकरण, वाक्य संरचना, समानार्थक शब्द, विपरीतार्थक शब्द, वाक्य पूरे करता, वाक्यांश तथा शब्दों के मुहावरोंद्वारा प्रयोग इत्यादि के संबंध में उम्मीदवार के विवेक तथा ज्ञान को आंकने के लिए प्रश्न-पत्र तैयार किए जायेंगे। इसमें अनेक प्रकार के परीक्षण पर भी प्रश्न होंगे।

(भाग-ख)

आणुलिपिक परीक्षा की योजना

अंशों में आणुलिपिक की परीक्षाओं में दो डिक्टेशन परीक्षाएँ होंगी; एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए जो उम्मीदवार को क्रमशः 45 तथा 50 मिनटों में लिप्यंतर करनी होगी।

द्वितीय में आणुलिपिक की परीक्षाओं में दो डिक्टेशन परीक्षाएँ होंगी, एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः 60 तथा 65 मिनटों में लिप्यंतर करनी होंगी।

संसार प्रसारण

(डाक विभाग)

डाक जीवन बीमा निदेशालय

नई दिल्ली-110021, दिनांक 13 जनवरी 1997

विषय :- डाकवर बीमा निधि नियमावली के नियम, 39, 40 और 41 में संशोधन।

सं. 23-1/92-जीवन बीमा—डाकवर बीमा निधि नियमावली के मौजूदा नियम 39, 40 और 41 में जोड़े निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे और ये दिनांक 1 जनवरी, 1997 से प्रभावी होंगे।

1. नियम 39(3) (1) के नीचे मौजूदा टिप्पणी-2 के स्थान पर निम्नलिखित का रखा जाएगा :—

टिप्पणी-2 तथापि मुख्य पोस्टमास्टर जनरल को विदेशी मामलों में किसी पालिसी के मूल्य अथवा उसके किसी भाग तक की अनुग्रहपूर्वक अदायगी की अनुमति देने का विवेकाधिकार है नतीजतन कि वह व्यक्तिगत रूप से इस बात से संतुष्ट हो कि डाकवर बीमा निधि नियमावली का अतिरिक्त अनुमति देकर इस उद्देश्य से भुगतान किया गया है कि बीमा निधि को इस प्रकार इस्तेमाल किया जाए जिससे इसके हिस्से और पालिसी की रकम की अदायगी के औचित्य संबंधी परिस्थितियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

2. डाकवर बीमा निधि नियमावली के नियम 41(1) की पहली पंक्ति में आए शब्दों "डाक महानिदेशक अथवा" तथा दूसरी पंक्ति में आए शब्दों—"उनकी ओर से" तथा नियम 41(1) की तृतीय पंक्ति में आए शब्दों—"डाक महानिदेशक अथवा" को हटा दिया जाएगा।

3. इसी प्रकार, नियम 41 के उप नियम 4 की पहली पंक्ति में आए शब्दों—"महानिदेशक अथवा" तथा इसी नियम की पंद्रहवीं

पंक्ति में आए शब्दों—"महानिदेशक अथवा अथवा" को हटा दिया जाएगा।

4. नियम 39 और 41 में उपर उल्लिखित संशोधन के परिणामस्वरूप सफल अभ्यासों की शक्तियाँ प्रभावित नहीं होंगी और इन पालिसियों को क्रमशः नियम 39(1) और 40(1) के अनुसार अमान्य अथवा रद्द किया गया मान लिया गया हो ऐसे मामलों को अनुग्रहपूर्वक राशि की संस्थीकृत को लिख निदेशालय को नहीं भेजा जाएगा। सफलता के अभाव में शक्तियों का प्रयोग व्यक्तिगत रूप से करने और उन्हें अपने अधीन कार्यरत अधीनस्थ अधिकारियों को जारी प्रत्यक्षीकृत नहीं करने। नियम 41 के अंतर्गत उपनियम (4) के साथ एक नया उप नियम (5) नियमानुसार रखा जाएगा :—

5. पालिसी पूरी होने (मैचोरिटी) तथा मृत्यु होने पर वापस का निपटारा :

नियम 39 (3) (1) के नीचे टिप्पणी-2 के अनुसार अनुग्रहपूर्वक राशि दिए जाने से पूर्व सफल अभ्यास द्वारा निम्नलिखित मार्गदर्शी सिद्धांतों का सख्ती से अनुसरण किया जाएगा :—

(1) (क) यदि कोई पालिसी डाकवर बीमा निधि नियमावली के नियम 39 और 40 के अंतर्गत मृत्यु के कारण शक्ति की शक्तियों में समाहित हो गई हो तो इस बात को कारण अथवा क्या मृत्यु की भुगतान की सूचना देते एक लेखा कीर्तिलेख/संश्लेषण को संलग्न कर भेजा जाएगी और यदि नहीं भेजा गया तो इस प्रकार की सूचना नहीं भेजने और यदि कोई विवाद हुआ हो तो उसका पता लगाया जाएगा। क्या एन सी नकल से मृत्यु की भुगतान किए जाने के कारण हुए अथवा इनके विपरीत भुगतान की तरफ से अथवा अन्य कारणों से। क्या बीमाधारक द्वारा देन की की अवधि के दौरान देतन लिखित सब अथवा नहीं?

(ख) नकल पालिसियों के मामलों में "मैचोरिटी" के कारणों की भी और पुस्तक के नियमों के कारण और उन कारणों की भी जो नकल हुए विवरणों को दिया जाएगा कि बीमाधारक की शक्तियों को नकल रूप में क्यों नहीं जमा करी संभव। विवेकपूर्ण की परिणाम रिकार्ड कर लिया जाएगा।

(2) (क) मृत्यु संबंधी दावा के मामले में दाखिल अथवा उसके कानूनी उत्तराधिकारी द्वारा मृत्यु प्रमाण के कारण मृत्यु की मृत्यु प्रमाण पत्र, पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट और एक और और की प्रतीति जहाँ भी चाहिए और इस प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(ख) आधिकारिक मृत्यु के प्रमाण में दाखिल अथवा कानूनी उत्तराधिकारी द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र और बीमाधारक की अंतिम समय तक विवेकपूर्ण करने वाले अधिकारियों

की रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। किसी बीमारी के कारण मृत्यु के मामले में बीमाधारक को चिकित्सक के पास नहीं ले जाने के कारणों की विस्तार में जांच की जानी चाहिए और उसका परिणाम रिकार्ड कर लिया जाएगा।

दावों अथवा स्वतः-दत्त मृत्यु अथवा मृत्यु संबंधी दावों की संस्थी-कृत दे सकते हैं।

कमलेश्वर प्रसाद
उप-महानिदेशक

(ग) असामयिक मृत्यु अर्थात् पालिसी की स्वीकृति की तारीख से ३ वर्ष पूरे होने के पूर्व मृत्यु हो जाने के मामले की पूरी जांच-पड़ताल की जाएगी ताकि यह पता लग सके कि क्या बीमाधारक ने प्रस्ताव जमा कराई समय महत्वपूर्ण सूचना नहीं दी थी। अन्यथा जिसके कारण प्रस्तावक को पीएलआई के लिए अयोग्य मानकर अनुमति नहीं दी जाती और इस बात की जांच की जानी चाहिए कि क्या बीमाधारक पालिसी लेने से पूर्व किसी बीमारी से पीड़ित था। क्या डॉक्टर/एफओ/एजेंट की ओर से अवसामान्य जीवन का बीमा करने अथवा निधि खो गये हानि पहुँचाने का प्रयास जान-बूझकर किया गया था। क्या मृत्यु के कारण का उस बीमारी से कोई संबंध था। जिसका इस प्रकार की जांच-पड़ताल के दौरान पता चला है।

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक १३ जनवरी १९९७

संकल्प

सं. ई आर बी-१/९६/२३/३७—इस मंत्रालय के दिनांक ३१-१०-९६ के समसंख्यक संकल्प के क्रम में, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने श्री बलविन्दर सिंह तलवंडी, बी-८, हरि नगर, नयी दिल्ली को यात्री सेवा समिति के सदस्य के रूप में नामित करने का विनिश्चय किया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

सर्विकल के अध्यक्ष उपरोक्त निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धांतों के पूरा अनुपालन हो जाने के साथ यथा स्थिति पालिसी पूरी होने के

डी. पी. त्रिपाठी
सचिव, रेलवे बोर्ड

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC, GRIEVANCES AND PENSIONS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING)

RULES

New Delhi, the 8th February 1997

No. 10/6/96-CS-II.—The rules for a Limited Departmental Competitive Examination for inclusion in the Select List for Grade 'C' of the Central Secretariat Stenographers' Service, Grade 'C' of the Central Vigilance Commission Stenographers Service, Grade II of the Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B), Grade C of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service, Gr. 'C' of the Railway Board Secretariat Stenographers Service and Grade 'C' of the Research Designs & Standards Organisation (Ministry of Railways) Stenographers Service to be held by the Staff Selection Commission in 1997 are published for general information.

2. The number of persons to be selected for inclusion in the select list will be determined later as given in para 2 of the Notice issued by the Commission. Reservations shall be made for the candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes after taking into account the vacancy position reported to the Commission by the indenting cadres/offices.

A Scheduled Caste/Scheduled Tribe means any of the Castes/Tribes specified in the Orders issued under Article 341/392 of the Constitution from time to time.

-3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

The dates on which and the place at which the examination will be held, shall be fixed by the Commission.

4. Conditions of eligibility.—Any permanent or temporary regularly appointed officer, belonging to Grade D or Grade-

III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Central Vigilance Commission Stenographers' Service/Stenographers' Cadre of Indian Foreign (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Research Designs Standards Organisation, (Ministry of Railways) Stenographers' Service who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination and compete for vacancies in his service only that is Grade 'D' Stenographers' of the Central Secretariat Stenographers' Service will be eligible for vacancies in Grade 'C' of the Central Secretariat Stenographers' Service, Grade 'D' Stenographers' of Central Vigilance Commission Service will be eligible for the vacancies in Grade 'C' of the Central Vigilance Commission, Grade-III Stenographers' of the Stenographers' Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be eligible for the vacancies in Grade II of the Stenographers' of the Cadre of Indian Foreign Service (B). The Grade 'D' Stenographers of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service will be eligible for vacancies in Grade 'C' of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, the Grade 'D' Stenographers of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be eligible for vacancies in Grade 'C' of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service and the Grade 'D' Stenographers of the RDSO Stenographers Service will be eligible for vacancies in Grade 'C' of the RDSO Stenographers' Service.

(a) Length of Service :—He should have on the crucial date that is on 1-1-1997 rendered not less than 3 years approved and continuous service in Grade D or Grade III of the Service.

Note : Grade D officers who are on deputation to ex cadre post with the approval of the competent authority and those having a lien in Grade 'D' or Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Central Vigilance Commission Stenographers' Service/Stenographers' Cadre of the Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Research Designs & Standards Organisation Stenographers' Service will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible

Provided that if he had been appointed to Grade 'D' of the Central Secretariat Stenographers' Service, Grade 'D' of the Central Vigilance Commission Stenographers' Service/Grade 'D' of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Grade III of the Stenographers' Cadre of the Indian Foreign Service (B)/Grade 'D' of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Grade 'D' of the RDSO Stenographers' Service on the results of the competitive examination, including a limited departmental competitive examination result of such examination should have been announced not less than three years before the crucial date and he should have rendered not less than two years approved and continuous service in the Grade.

(b) Age—He should not be more than 50 years of age on 1-1-1997 i.e. he must not have been born earlier than 2-1-1947.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of three years (eight years or SC/ST) in case of Defence Service Personnel disabled in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (iii) upto a maximum of three years (eight years for SC/ST) in case of Border Security Force personnel disabled in operation during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

(d) Stenography Test :—Unless exempted from passing the Commission Stenography Test for the purpose of confirmation or continuance in Grade D/Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Central Vigilance Commission Stenographers' Service/Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Research Design & Standard Organisation Stenographers' Service the candidate should have passed the Test on or before date of confirmation of the examination.

Note : Grade 'D' or Grade III Stenographers who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority and those having a lien-in Grade D/Grade III of the Service will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

This, however, does not apply to a Grade D/Grade III Stenographer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on 'transfer' and does not have a lien in Grade D/Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Central Vigilance Commission Stenographers' Service/Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service(B)/Armed Forces Headquarters Stenographers Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service Research, Designs & Standards Organisation Stenographers' Service.

5. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

6. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of —

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or

- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination.
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) writing irrelevant matter, including, obscene language or pornographic matter in the script(s), or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination.
- (xi) violating any of the instruction issued to the candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination.
- (xii) taking away answer book/shorthand notes/typing script with him/her from the examination hall.
- (xiii) attempting to commit or, as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—

- (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government from any employment under them, an

(c) to disciplinary action under the appropriate rules.

8. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission, in six separate lists, in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified in the examination shall be recommended for inclusion in the Select Lists of Grade C of the Central Secretariat Stenographers' Service, Central Vigilance Commission Stenographers' Service, Stenographers Cadre of Indian Foreign Service(B), Armed Forces Headquarters Stenographers Service, Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Research Designs & Standards Organisation Stenographers' Service upto the required number.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may to the extent the number of vacancies in the Central Secretariat Stenographers' Service/Central Vigilance Commission Stenographers Service/Stenographers Cadre of Indian Foreign Service (B), Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Research Designs & Standards Organisation Stenographers' Service reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standards to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for inclusion in Select Lists of Grade 'C' of the Central Secretariat Stenographers' Service/Central Vigilance Commission Stenographers' Service/Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Research Designs and Standards Organisation Stenographers' Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Note : Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be included in the Select List for Grade C/Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Central Vigilance Commission Stenographers' Service/Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B) Grade C of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Research Designs & Standards Organisation Stenographers' Service on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore have any claim for inclusion in the Select List on the basis of performance in this examination as a matter of right.

9. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in its discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

10. Success in the examination confers no right to selection unless the cadre authority is satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate, having regard to his conduct in service, is suitable in all respects for selection.

11. A candidate, who after applying for admission to the examination or after appearing at it resigns his appointment in the Central Secretariat Stenographers' Service or Central Vigilance Commission Stenographers' Service or Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B), or Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Research Designs & Standards Organisation Stenographers' Service or otherwise quits the service or severs his connection with it, or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre posts or to another service on "transfer" and does not have a lien in Grade D of the Central Secretariat Stenographers' Service or Central Vigilance Commission Stenographers' Service or Grade III of Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service (B) or Grade D of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Research Designs & Standards Organisation Stenographers' Service will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This however, does not apply to Grade D/Grade III Stenographer who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the Competent authority.

H. S. DHIMAN, Under Secy.

APPENDIX

The subjects of the written examination and the maximum marks for each subject will be as follows:—

PART A—WRITTEN TEST

Subject	Maximum Marks	Time
PAPER : (Objective type)		
(a) General Awareness 100 Questions	200	2 hours
(b) Comprehension and writing ability of English language 100 Questions.		

Note :—Questions relating to General Awareness will be set both in Hindi and English.

PART-B—SHORTHAND TEST IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST). 200 MARKS.

Note :—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters and for this purpose they will be required to bring their own type-writers with them.

PART-C—EVALUATION OF RECORD OF SERVICE OF SUCH OF THE CANDIDATES AS MAY BE DECIDED BY THE COMMISSION IN THEIR DISCRETION CARRYING A MAXIMUM OF 100 MARKS.

2. The Syllabus for the written test and the scheme of the Shorthand Test will be as shown in the Schedule to this Appendix.

3. Candidates qualified in the written Examination are required to appear in Shorthand Test either in English or in Hindi which will be of 200 marks.

Note :1—Candidates must indicate their medium for taking Stenography Test in column 6 of the application form. The option one exercised shall be treated as final and no requests for alteration in the said column shall ordinarily be entertained. If the requisite column of option is left blank by any candidate, his/her medium of Stenography test shall be deemed to be 'English'.

Note :2—Candidates who opt to take the Shorthand Test in Hindi will be required to learn English Stenography and vice versa after their appointment.

Note :3—No credit will be given for Shorthand Test taken in a language other than the one opted by the candidate.

4. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 120 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 100 words per minute. persons in each group being arranged inter se in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate (of-part B of the Scheduled below).

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

7. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Commission in their discretion will be called for Shorthand Test.

SCHEDULE

PART—A

Note :—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

(a) General Awareness :—Question will be aimed at testing the candidates' general awareness of the environment around him and its application to society. Questions will also be designed to test knowledge of current events and of such matters of every day observations and experience in their scientific/aspect as may be expected of an educated person. The test will also include questions relating to India and its neighbouring countries especially pertaining to History, Culture, Geography, Economic, Scene, General polity and Scientific research.

(b) Comprehension and Writing Ability of English Language :—

Questions will be designed to test the candidates' understanding and knowledge of English Language, vocabulary, spellings, grammar, sentence structure, synonyms, antonyms, sentence completion, phrase and idiomatic use of words etc. There will be a question on comprehension of a passage also.

PART-B

Scheme of Shorthand Test

The Shorthand test in English will comprise two dictation tests, one at 120 words per minute for seven minutes which and another at 100 words per minute for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 45 and 50 minutes respectively.

The Shorthand test in Hindi, will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 60 and 65 respectively.

MINISTRY OF COMMUNICATION

DIRECTORATE OF POSTAL LIFE INSURANCE
(DEPARTMENT OF POST)

New Delhi, the 13th January 1997

Sub : Amendments to Rule 39, 40 and 41 of POIF Rules.

No. 23-1/92-LI.—The following further amendments to existing rule 39, 40 and 41 of POIF Rules will be carried out and will come into effect from 1st January, 1997.

1. Existing Note 2—below rule 39(3)(i) shall be substituted by the following :—

Note-2 : The Chief Postmaster General however has the discretionary powers in special cases to allow ex-gratia payment of the value of a policy or a part thereof provided that he is personally satisfied that there has been no deliberate infringement of POIF Rules with the object of using the insurance fund in a manner adversely affecting its interest and circumstances, warranting payment of policy money.

2. The words 'The Director General of posts or' appearing in first line of Rule 41(i) and the words "on his behalf" appearing in second line and the words "The DG posts or" appearing in tenth line of Rule 41(i) of POIF Rules shall be deleted.

3. Similarly, the words "The Director General or" appearing in first line of Sub rule 4 of rule 41 and the words "The DG Posts or" appearing in line fifteen of the rule ibid shall be deleted.

4. With above indicated amendments to Rule 39 & 41, the powers stands delegated to Head of circle and the cases relating to policies treated as void or cease to be active in terms of rule 39 (i) & 40 (i) respectively will not be referred to this Directorate for ex-gratia sanction. The Heads of circle will be personally exercising these powers and will not further delegate it to subordinate officers working under them. A new sub rule (5) will be inserted after sub Rule (4) under rule 41, as under :—

(5) Settlement of maturity and Death claims

The following guidelines will be strictly observed by the Head of circle before ex-gratia sanction is granted as per Note 2 below rule 39(3)(i).

- (i) (a) If a policy has lapsed under Rule 39 and 40 of POIF Rules in Pay recovery cases, the reasons for NCs such as whether intimation of

Pay recovery to PAO/HO was sent in time and if not the reasons for not sending such intimation and delay if any will be identified—Whether NCs occurred due to switchover from cash to pay recovery or vice versa, Whether pay was drawn by the insurant during NCs period or not?

- (b) In case of cash policies reasons for 'Non-credits' will be analysed keeping in view the date of issue of P.H. Book and the reasons as to why insurant could not deposit premiums in cash. The result of analysis will be recorded.

- (ii) (a) In case of death due to Accident, Death certificate Postmortem report and copy of F.I.R. must be obtained and should be submitted by the claimant or his/her legal heir alongwith the death claim case.

- (b) In case of sudden death, the death certificate and report of the Doctor who had last attended the insurant must be submitted by the claimant or Legal heir. Reasons for not taking the insurant to the Doctor in case of death due to some disease should be enquired in detail and the result will be recorded.

- (c) Cases of early death i.e. Before completion of 3 years from date of Acceptance of a policy will be investigated thoroughly to enquire if the insurant while submitting the proposal had suppressed material information which otherwise would not have allowed the proponent to be eligible for PLI and it should be examined whether insurant was suffering from any disease prior to taking of a policy. Whether there was any deliberate attempt on the part of DOs/FOs/Agent to insure sub-standard life or to cause loss to Fund balance. Whether cause of death had any relation to the disease which came to light during such investigations.

Head of circle after satisfying with the guidelines prescribed above, may sanction Maturity claim or Auto paid-up value or death claim as the case may be.

COL KAMLESHWAR PRASAD
Deputy General Manager

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 13th January 1997

RESOLUTION

No. ERB-I/96/23/37.—In continuation of this Ministry's Resolution of even number dated 31-10-96, Ministry of Railways (Railway Board) have decided to nominate Shri Balwinder Singh Talwandi, B-8, Hari Nagar, New Delhi, as a Member of the Passenger Services Committee.

D. P. TRIPATHI,
Secretary, Railway Board

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. C. BAKSHI,
Joint Secretary (G),
Railway Board

